भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या– **3478**
दिनांक 13.03.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद

3478. श्री तेजस्वी सूर्या
श्री आलोक शर्मा
कैप्टन बृजेश चौटा
श्री प्रदीप कुमार सिंह
श्री भरतसिंहजी शंकरजी डाभी
श्री बिद्युत बरन महतो
श्री दामोदर अग्रवाल
श्री शंकर लालवानी
श्री चव्हाण रविन्द्र वसंतराव
श्री दिनेशभाई मकवाणा
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे
श्रीमती शोभनाबेन महेन्द्रसिंह बारैया
श्री सुधीर गुप्ता
श्री प्रदीप पुरोहित
डॉ. हेमांग जोशी
श्री नलिन सोरेन
श्री बिभु प्रसाद तराई
श्री हरीभाई पटेल
श्री जगदम्बिका पाल
श्री माधवनेनी रघुनंदन राव
श्रीमती मालविका देवी

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारत की सांस्कृतिक कूटनीति और वैश्विक पहुंच को सुदृढ़ किए जाने के संबंध में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) छात्रवृत्ति योजनाओं के आकलन और प्रभाव संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) सरकार का आगामी शैक्षणिक वर्षों में अन्य देशों के नागरिकों के लिए छात्रवृत्ति सीटों की संख्या बढ़ाने संबंधी क्या विचार है;
(ग) क्या सरकार का विदेशों में भारतीय भाषाओं और संस्कृति का संवर्धन करने के लिए अन्य देशों के विश्वविद्यालयों में भारतीय अध्ययन की सीटों की संख्या बढ़ाने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसकी स्थिति क्या है, और
(घ) क्या सरकार के पास प्रकाशनों और सांस्कृतिक सहयोगों के माध्यम से विदेशों में हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के संवर्धन को सुदृढ़ करने संबंधी कोई प्रस्ताव है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
(श्री पबित्र मार्गेरिटा)

(क) भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) विभिन्न मुख्यधारा विषयों के साथ-साथ भारतीय संगीत, नृत्य, कला, योग और आयुर्वेद में लगभग 134 भारतीय विश्वविद्यालयों / संस्थानों में अध्ययन करने

के लिए विदेशी छात्रों को सालाना लगभग 4000 छात्रवृत्तियां प्रदान करती है। आई.सी.सी.आर छात्रवृत्तियां विदेशी छात्रों को भारत छोड़ने के बाद विभिन्न क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए तैयार करती हैं, साथ ही उन्हें भारतीय कला, विरासत और संस्कृति का प्रत्यक्ष अनुभव करने और सराहना करने में सक्षम बनाती हैं। यह न केवल भारत के बारे में जागरूकता पैदा करता है बल्कि दुनिया के विभिन्न देशों में भारत के लिए सद्भावना क्षेत्रों को बढ़ावा देता है और साथ ही विदेशों में हजारों युवा, अनौपचारिक राजदूतों का निर्माण करता है। यह देखते हुए कि 90% से अधिक आईसीसीआर छात्रवृत्तियां विकासशील देशों के छात्रों द्वारा ली जाती हैं, आईसीसीआर का छात्रवृत्ति कार्यक्रम भारत को एक वैश्विक शिक्षा केंद्र के रूप में स्थापित करता है और दक्षिण-दक्षिण सहयोग और क्षमता निर्माण के लिए भारत की मजबूत प्रतिबद्धता का एक दृश्यमान और प्रभावशाली प्रदर्शन के रूप में कार्य करता है। आईसीसीआर के कई एलुमिनाई विदेशों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत हैं, आई.सी.सी.आर छात्रवृत्तियां भारत की वैश्विक पहुंच को भी बढ़ाती हैं और भारत की सांस्कृतिक कूटनीति के एक प्रमुख साधन के रूप में कार्य करती हैं।

(ख) इस शैक्षणिक वर्ष 2026-27 में आई.सी.सी.आर छात्रवृत्ति स्लॉट की संख्या में 400 की वृद्धि हुई है। जहां आईसीसीआर ने पिछले शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में कुल 4047 छात्रवृत्तियां प्रदान की थीं, वहीं वर्तमान शैक्षणिक वर्ष 2026-27 में यह संख्या बढ़कर 4447 हो गई है।

(ग और घ) भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) भारतीय दूतावासों और कोंसलावासों के परामर्श से विदेशी विश्वविद्यालयों में भारतीय अध्ययन पीठ स्थापित करके विदेशों में भारतीय भाषाओं और संस्कृति को बढ़ावा देती है। वर्तमान में, विदेशी विश्वविद्यालयों में इस तरह के 9 भारतीय अध्ययन पीठ कार्यरत हैं, जिनमें से 6 पीठ हिंदी पढ़ाते हैं और शेष 3 पीठ क्रमशः संस्कृत, तमिल और संगीत पढ़ाते हैं। विभिन्न विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाने के लिए 7 और पीठों की स्थापना और संस्कृत में एक अतिरिक्त पीठ की स्थापना प्रक्रियाधीन है। आईसीसीआर पीठों को विदेशों में अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के हिस्से के रूप में भारत, भारतीय सभ्यता और संस्कृति की समझ को बढ़ावा देने का भी कार्य सौंपा गया है। आईसीसीआर विश्व स्तर पर हिंदी को बढ़ावा देने के लिए अपनी द्विमासिक पत्रिका "गगनांचल" में विदेशी नागरिकों और भारतीय लेखकों के लेख भी प्रकाशित करता है।

अपनी सहायता अनुदान योजना के अंतर्गत, संस्कृति मंत्रालय भारत-विदेशी मैत्री समितियों को हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में विभिन्न कार्यक्रमों/प्रस्तुतियों सहित सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए अनुदान प्रदान करता है।

*****